ध्रुव–तारा और उनका जादुई पत्थर

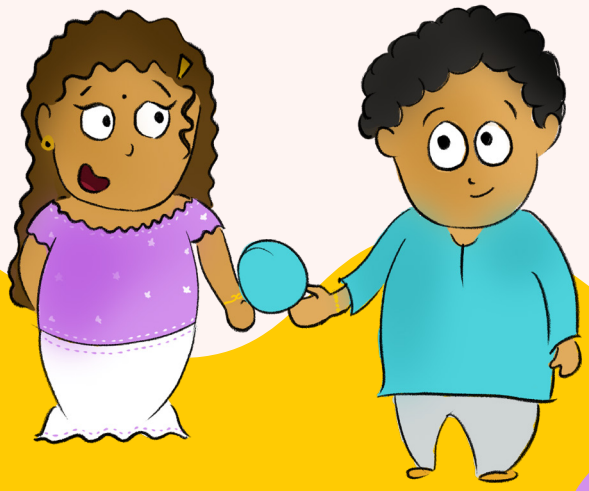

KATHA

कनिका अरोड़ा
चित्रांकनः सिमरन रावत

दिल्ली की व्यस्त सड़कों और प्रदूषित आकाश से
दूर एक छोटे से शहर गुजियापुर में एक
खूबसूरत रानी रहती थी।

ये शहर चॉकलेट के पहाड़ों और कोला की
नदियों के लिए मशहूर था। वहाँ रानी अपने छोटे
जुड़वां बच्चों ध्रुव और तारा के साथ एक
आलीशान महल में रहती थी।

ध्रुव एक समझदार और खुशमिजाज लड़का था और उसकी बहन तारा बहुत भोली मगर शरारती थी।

दोनों भाई–बहन गुजियापुर की जादुई दुनिया को खोजने और नए अनुभव लेने के लिए वहाँ के लोगों से मिलते रहते थे।

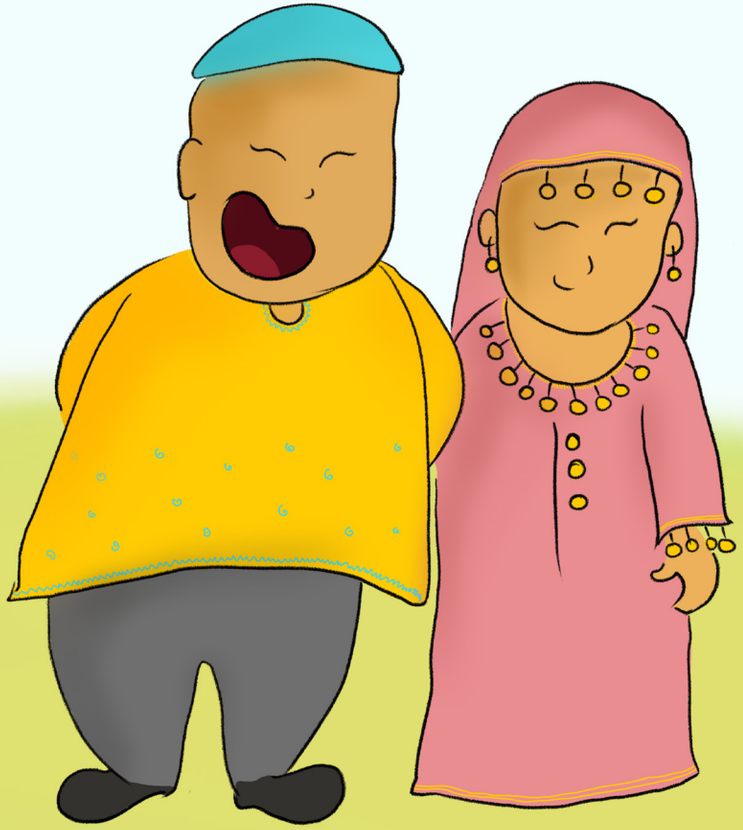

शहर में त्योहारों की धूम मची रहती थी और दोनों बच्चे भी उनमें भाग लेते हुए मस्ती करते थे। लेकिन इस शहर में एक गिरोह ऐसा भी था जो देखने में बहुत अच्छा मगर वास्तव में शैतान थे।

ऐसे त्योहारों पर वे छोटे बच्चों को अपनी शैतानी का शिकार बनाते थे।

रानी ने अपने दोनों बच्चो की सुरक्षा के लिए
उन्हें जादुई पत्थर दिया हुआ था जिसका प्रयोग
वे मुसीबत की घड़ी में कर सकते थे।

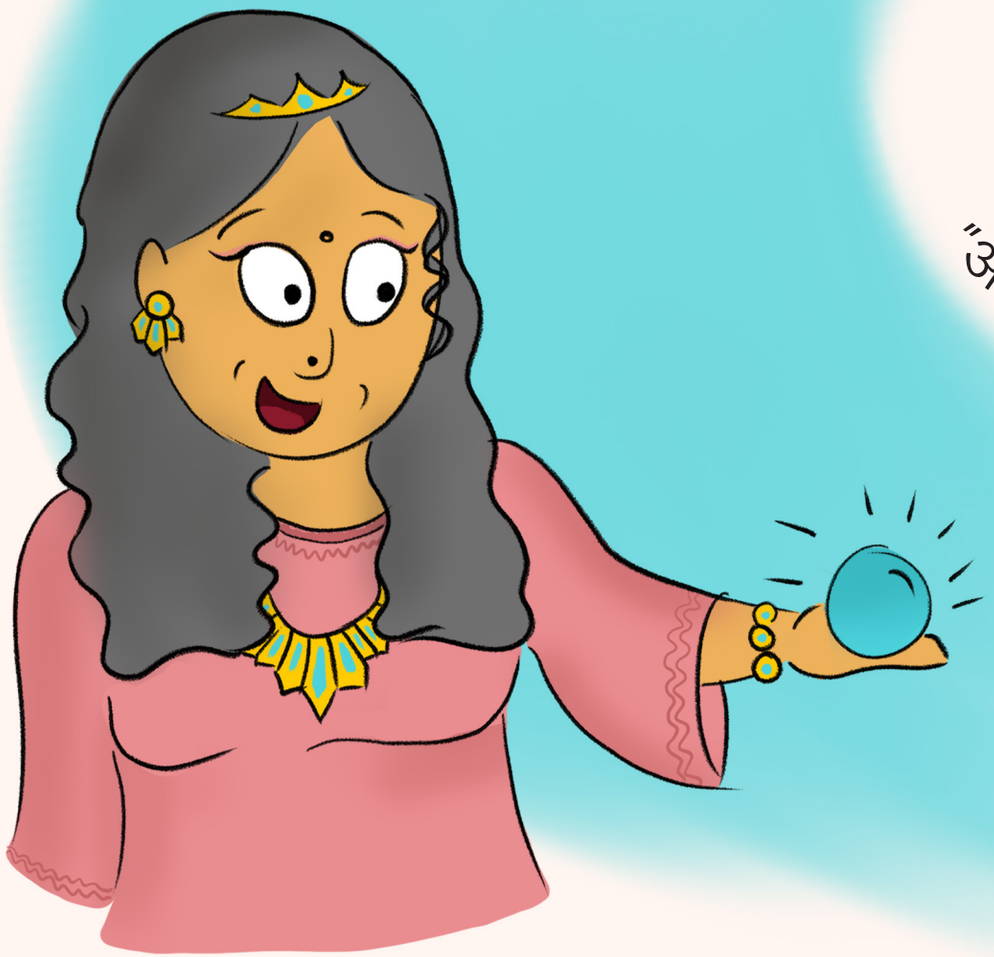

"अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो... हमको घर ले चलो"

दोनों बच्चे जैसे ही ये शब्द बोलते "अक्कड़
बक्कड़ बम्बे बो... हमको घर ले चलो" वे पत्थर
उनको रानी के कमरे में पहुँचा देता। इसलिए
ध्रुव–तारा ये पत्थर हमेशा अपने साथ रखते थे।

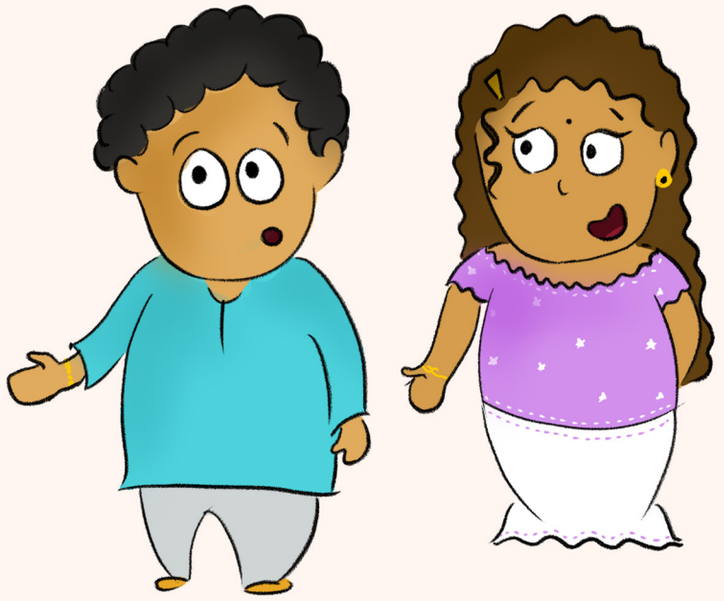

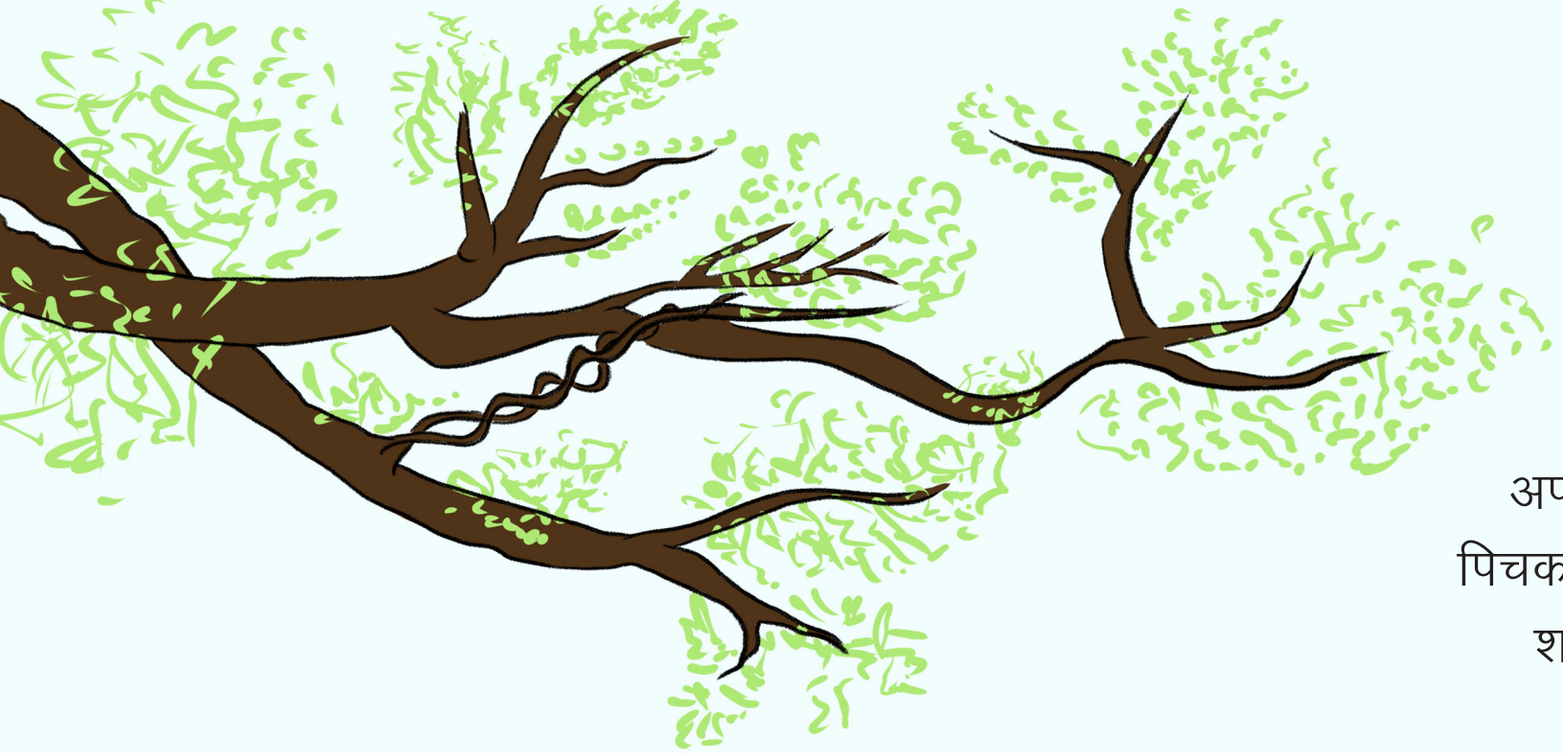

अपने सफेद कपड़े पहनकर और हाथ में पिचकारी लेकर वे महल के बाहर निकले और शहर के बीचों बीच होली मनाने लगे।

ये मार्च के महीने की बात है जब वसंत ऋतु में रंग बिरंगे फूल खिल रहे थे और मौसम काफी सुहाना हो गया था। होली के आने की खुशी में बच्चे जोश से अपनी माँ के इर्द गिर्द नाचने लग।

अचानक तारा की नजर एक बोर्ड पर पड़ी जिस पर लिखा था "केवल बच्चो के लिए धमाकेदार पार्टी" यह देखकर तारा न ध्रुव को पार्टी में चलने को कहा जबकि उनकी माँ ने उन्हें ऐसी अंधेरी गलियों में अकेले जाने से मना किया था।

ध्रुव यह सुनकर थोड़ा झिझका मगर आखिर में तारा की बात मान गया और दोनों भाई बहन उस दिशा में आगे बढ़ गए।

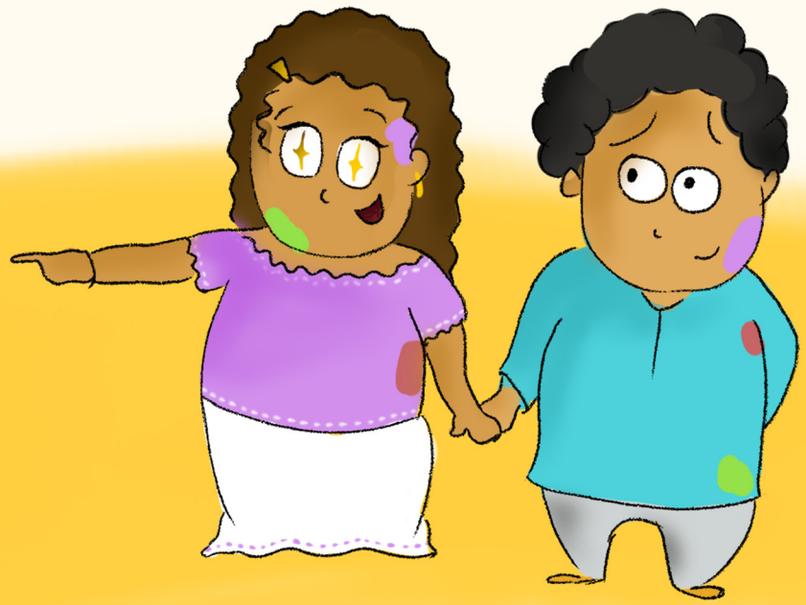

वहाँ उन्हें एक सुंदर औरत मिली जिसने उन्हें होली खेलने एवं रसमलाई खाने के लिए अंदर बुलाया। रसमलाई का नाम सुनते ही बच्चो के मुँह में पानी आ गया और वे उस औरत के साथ कमरे में चले गए।

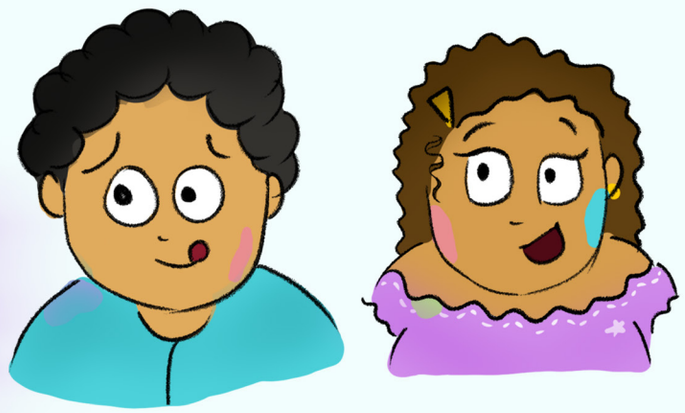

उस कमरे में उन्हें उनके दोस्त बिल्लू का बड़ा भाई बल्ली मिला जिसे देखकर वे खुश हो गए और मजे से रसमलाई खाने लगे।

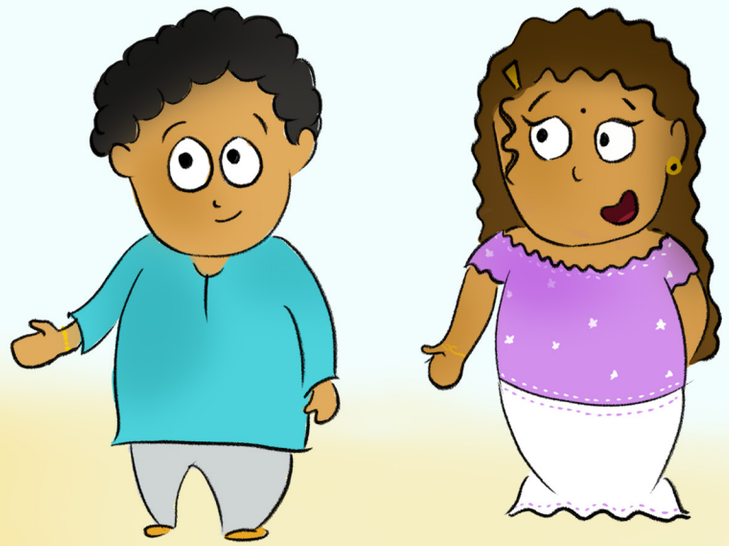

थोड़ी देर बाद जब उनके वापस जाने का समय हुआ तो वे दरवाजे की तरफ बढ़ने लगे तभी उनको कुछ लोगों ने पीछे से पकड़ लिया और उनके पूरे शरीर पर रंग लगा दिया।

दोनों बच्चे यह सब अपने साथ होते हुए देखकर डर गए और उस बदमाश गिरोह के लोग उन पर हँसने लगे।

दोनों बच्चों को अनजान लोगो में फँसे हुए देख बल्ली उन्हे बचाने आया। उसने कहा "चलो में तुम्हें नहला कर साफ कर देता हूँ"। यह बोलकर वह तारा के पास आया और उसके कपड़े उतारने लगा।

ध्रुव अब समझ गया कि वे दोनों अब मुसीबत में हें और तारा का हाथ पकड़कर वे दरवाजे की तरफ भागने लगा।

तभी उन्होने देखा की गिरोह के लोग उनका पीछा कर रहे थे।

"अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो... हमको घर ले चलो"

डर के मारे काँपते हुए दोनों को अचानक जादुई पत्थर की याद आई और पत्थर को अपनी जेब से निकालकर ध्रुव ने तारा के साथ बोला "अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो... हमको घर ले चलो" और वहाँ से चुटकी में गायब हो गए।

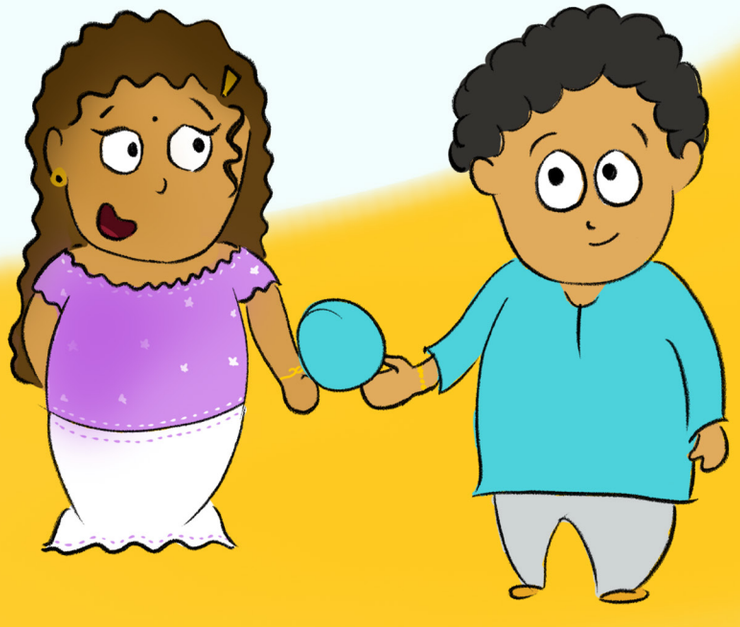

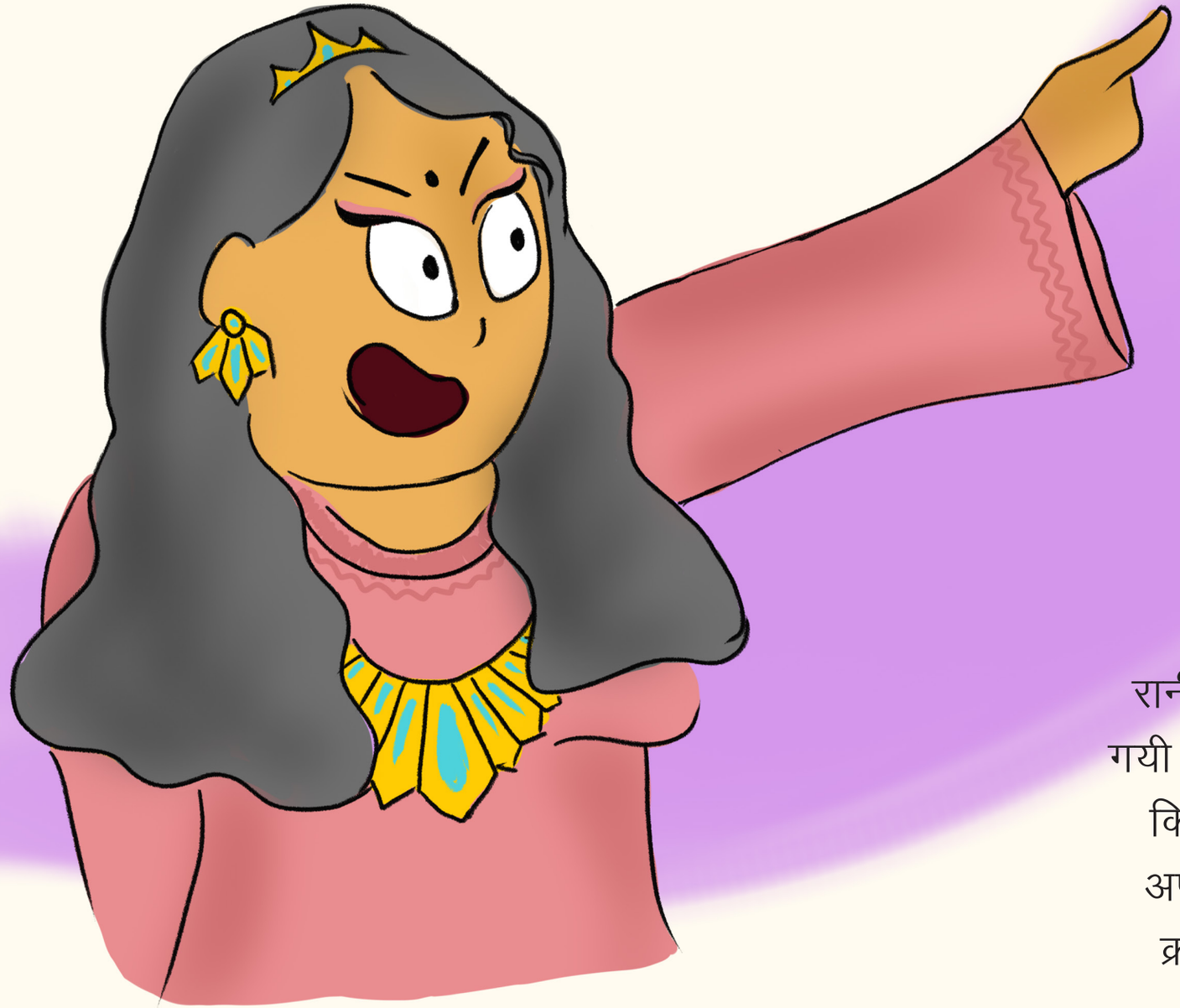

रानी महल में उन्हे अचानक देखकर हैरान हो गयी और गुस्से में बोली, "मेरे बच्चों के साथ यह किसने किया?"। ध्रुव ने हिम्मत दिखाई और अपनी माँ को सब बताया। रानी यह सुनकर क्रोधित हुई और कथा मंत्री को अपने पास बुलाया।

आँखों पर बड़ा चश्मा पहने कथा मंत्री भागते हुए आई और बच्चों को सहमे हुए देख उसने रानी से पूछा कि "इन्हे क्या हुआ?"

"इन्हे क्या हुआ?"

रानी ने कथा मंत्री से पुलिस बुलाने को कहा
और महल के सारे बच्चों को इकट्ठा किया ताकि
उन्हे जीवन का एक महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाया जाए।

कथा मंत्री ने साड़ी कसते हुए अपने झोले में से
एक बड़ी किताब निकाली और मधुर आवाज में
बच्चों से कहा "प्यारे बच्चों आज में आपको
बताऊँगी कि ऐसी कौन सी परिस्थितियाँ हैं
जिनमें आप असुरक्षित महसूस कर सकते हैं और
उनका सामना कैसे करना चाहिए।"

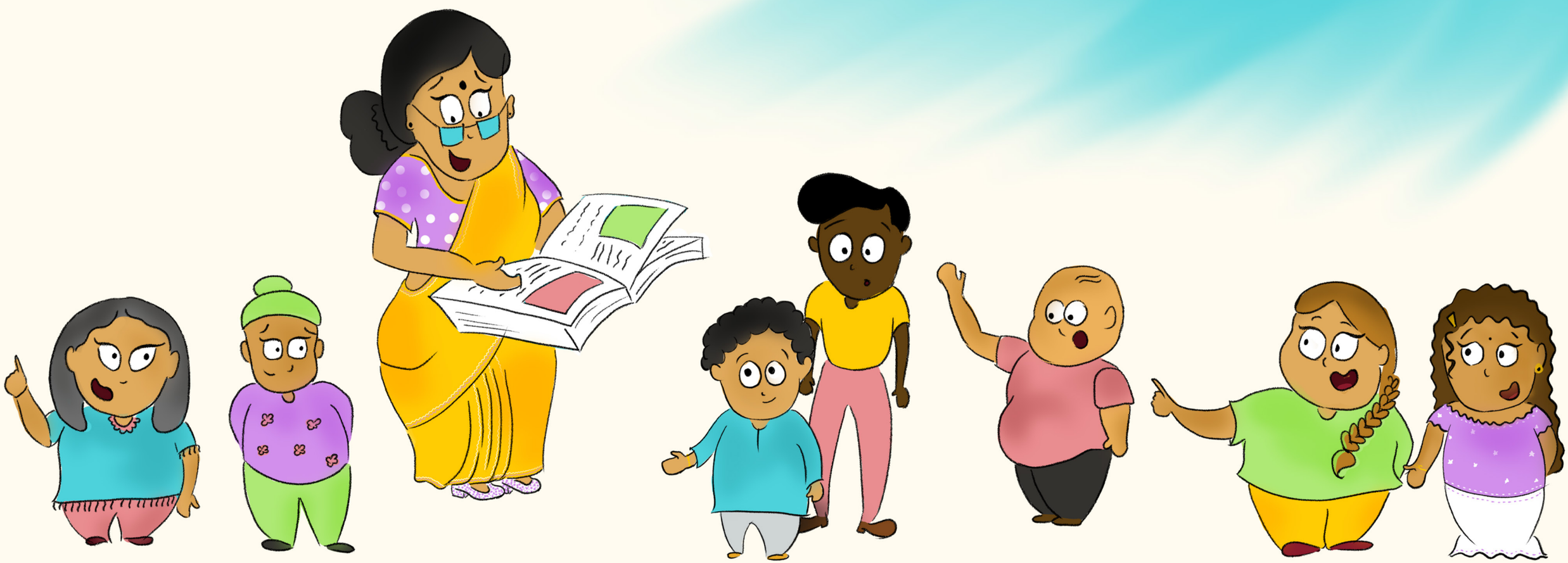

आप सुरक्षित नहीं हैं यदि

- आपके परिवार के सदस्यों को बिना बताए कोई अजनबी या जानकार आपको कुछ देने या देखने के लिए कहीं ले जाए।

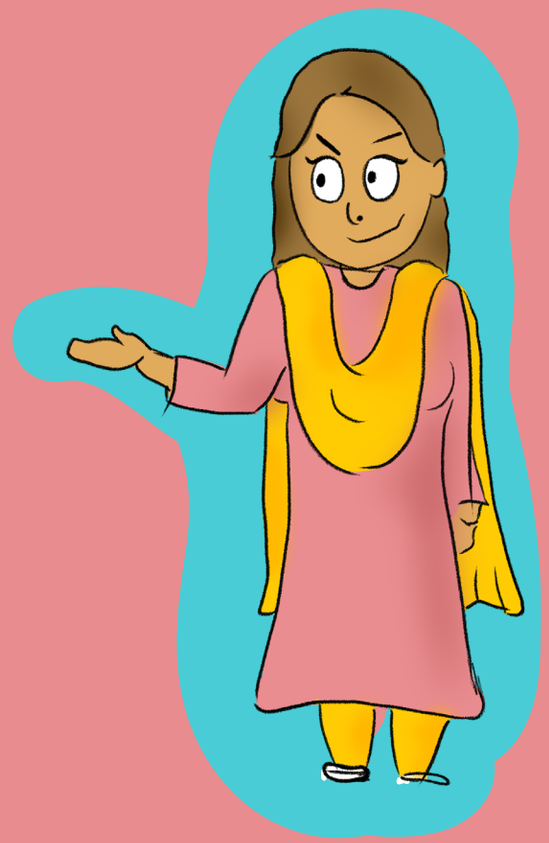

क्या कोई मुझे मेरे स्कूल से दूर ले जा सकता है?

यदि आप स्कूल में हो तो बिना आपके अध्यापक को बताए आपको कोई कहीं नहीं ले जा सकता।

आप सुरक्षित नहीं हैं यदि

आपको कोई शरीर की इन जगहों पर छूए :

- होंठ
- छाती
- कूल्हों पर
- और दोनों टांगों के बीच में।

- कोई आपको आपके कपड़े उतारने को कहे।
- कोई आपके कपड़े उतार दे और शरीर के किसी भी भाग को छूए।
- कोई आपके कपड़े उतार दे और तस्वीरें ले या फिल्म बनाए।

- कोई आपको अपने शरीर के निजी अंग को छूने के लिए कहता है।

कोई आपको अपने शरीर के निजी अंग को छूने के लिए कहता है।

- कोई आपको ऐसी तसवीर या फिल्म दिखाएं जिसमें निजी अंगों की तस्वीरें या निजी अंगों को छूते हुए दिखाए।

- कोई आपको देखकर सीटी बजाए या अश्लील गाने गए या अपशब्द बोले।

- कोई आपके साथ निजी अंगों के बारे में बात करे।

- कोई आपको नहाते हुए, कपड़े बदलते हुए या शौचालय में देखे या आपकी तस्वीरे ले।

आप सुरक्षित नहीं हैं यदि

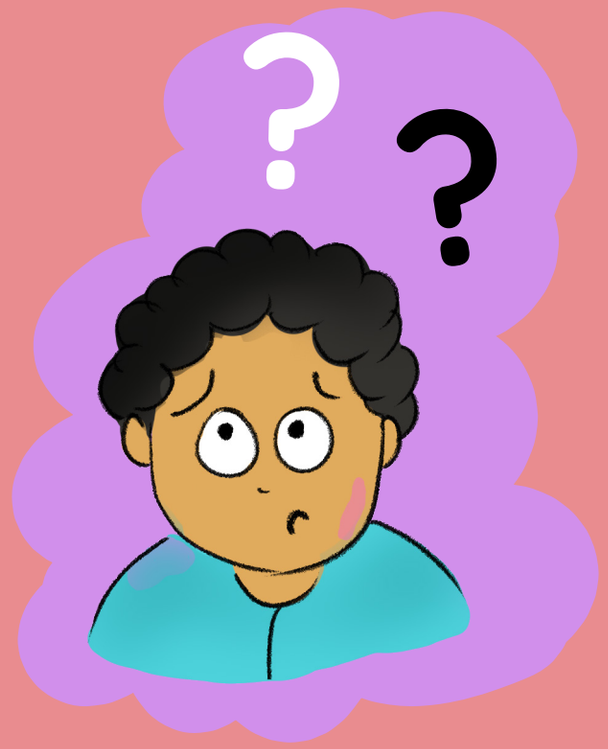

- अनजान व्यक्ति आपको अपनी अथवा किसी अन्य की निजी अंगों की तस्वीर भेजता है।
- कोई आपसे बार बार सोशल मीडिया पर बात करने की कोशिश करता है।
- आपको कोई अनजान व्यक्ति सोशल मीडिया पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजता है।
- अनजान व्यक्ति आपसे आपकी या आपके निजी अंगों की तसवीर मांगता है।
- कोई आपसे सोशल मीडिया पर अश्लील बातें करता है।

क्या कोई मेरा जानकार मुझे ऐसे छू सकता है और मेरी तसवीर ले सकता है ?

?

आप सुरक्षित नहीं हैं यदि कोई अनजान व्यक्ति आप का पीछा करे या आपकी तसवीर ले जब आप स्कूल या ट्यूशन या बाहर खेलने जाते हैं।

?

क्या मेरे अध्यापक/अध्यापिका मुझे छू सकते हैं या मेरी तसवीर ले सकते हैं?

क्या पुलिस वाले मुझे छू सकते हैं या मेरी तसवीर ले सकते हैं?

?

नहीं। सिर्फ आपकी माँ जब वह आपको नहला रही हो या डॉक्टर आपके घरवालों की मौजूदगी मे आपका चेक अप कर रहे हों आपको छू सकते हैं।

आप क्या करेंगे यदि कोई आपके साथ ऐसा करें ?

मैं चिल्लाऊँगी और ताकि मेरे आस पास के लोग जान जाएँ और फिर मैं उस जगह से भागकर अपने घर आ जाऊँगी और अपने घर वालों को बताऊंगी की मेरे साथ क्या हुआ और फिर उनके साथ पुलिस स्टेशन जाऊँगी या 100 नंबर पर फोन करूँगी।

मैं बच्चों की हेल्पलाइन नंबर 1098 पर भी फोन कर सकती हूँ।

यदि मेरे घर में मेरे साथ ऐसा होता है, तो मैं घर के बाहर भागुँगी और अपने पड़ोसियों को सूचित करूँगी मैं अपने माता–पिता, या पुलिस, या बच्चों की हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने में उनकी मदद लुंगी।

??

अगर आप घर के पास नहीं हैं तो–

मैं भागकर ऐसी जगह पहुँचूँगी जहां बहुत से लोग हों और उन्हें बताऊँगी कि कोई मेरे साथ बदतमीजी कर रहा है और उनसे उनका फोन ले कर अपने परिवार वालों तथा पुलिस को कॉल करूँगी।

आपको इन फोन नंबरों को याद रखना होगा :

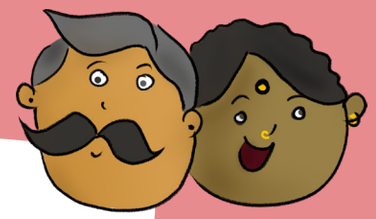

माँ/पिताजी एवं परिवार के किसी अन्य सदस्य का नंबर

100
पुलिस

1098
बच्चों की हेल्पलाइन

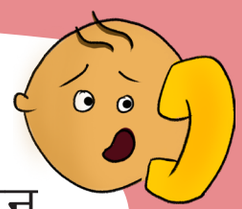

आप शिकायत कैसे करेंगी?

मैं अपने घर के पास के पुलिस स्टेशन या जहाँ मेरे साथ यह हादसा हुआ है वहाँ के पुलिस स्टेशन जाऊँगी। मैं पुलिस स्टेशन अकेले भी जा सकती हूँ और वहाँ से पुलिस वाले मेरे घर वालो को सूचना देकर बुला लेंगे।

* GOVERNMENT OF INDIA *

मैं इस बात को पक्का करूँगी कि मेरी शिकायत को पुलिस वाले अपनी किताब मे लिखे और मुझे पढ़कर सुनाए। मैं उनसे अपनी शिकायत की एक कॉपी लूँगी और अपने माँ पिताजी के साथ घर चली जाऊँगी।

और ऐसे कौन से स्थान हैं जो मेरी मदद कर सकते हैं ?

राष्ट्रीय महिला आयोग

(लिखित या ऑनलाइन
शिकायत के माध्यम से)

011–26944880

011–26944883

(सुबह 9 से शाम 5:30 बजे
सोमवार से शुक्रवार)

गैर सरकारी संस्था और कानूनी सहायता के बारे में जानकारी के लिए

011–23317004

(24*7 सेवा)

बच्चों की हेल्पलाइन

1098

मैं मदद लेने के लिए निम्नलिखित नंबर की सहायता भी ले सकती हूँ :

महिला हेल्पलाइन नंबर (दिल्ली पुलिस)

1091

(24*7 सेवा)

वुमेन सेल (दिल्ली पुलिस)

011–24673368

011–41567699

(24*7 सेवा)

दिल्ली महिला आयोग

011–23379181

(सुबह 10:30 से शाम 5:30 बजे)

यदि पुलिस वाले मेरी शिकायत दर्ज करने से मना करते हैं तो गैर सरकारी संस्था की मदद से माँ पिताजी उनके उच्च अधिकारियों से शिकायत कर सकते हैं।

क्या करे यदि पुलिस वाले शिकायत न दर्ज करे :

मैं मानव अधिकार की वैबसाइट पर भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकती हूँ।

“यदि उच्च अधिकारी भी शिकायत लिखने से मना कर दे तो मे कोर्ट की सहायता ले सकती हूँ जहां जज की डाँट फटकार सुनकर पुलिस वालों को मेरी शिकायत दर्ज करनी पड़ेगी।”

"बच्चों चिंता मत करो, यह तुम्हारी गलती नहीं हैं। बुरे व्यक्ति बुरे काम करते हैं और यह हमारा कर्तव्य हैं कि हम खुद को और आसपास के लोगों को सुरक्षित रखें।"

इतने मे पुलिस महल मे उन लोगों को पकड़कर लाई जिन्होंने रानी के बच्चों के साथ बदसलूकी की थी और उन्हे हथकड़ी पहनाकर जेल ले गए। कथा मंत्री की शिक्षा को अपने दिमाग मे रखते हुए ध्रुव और तारा खुशी से उछलने लगे और कहने लगे कि अब वे होली हर साल मनाएंगे।

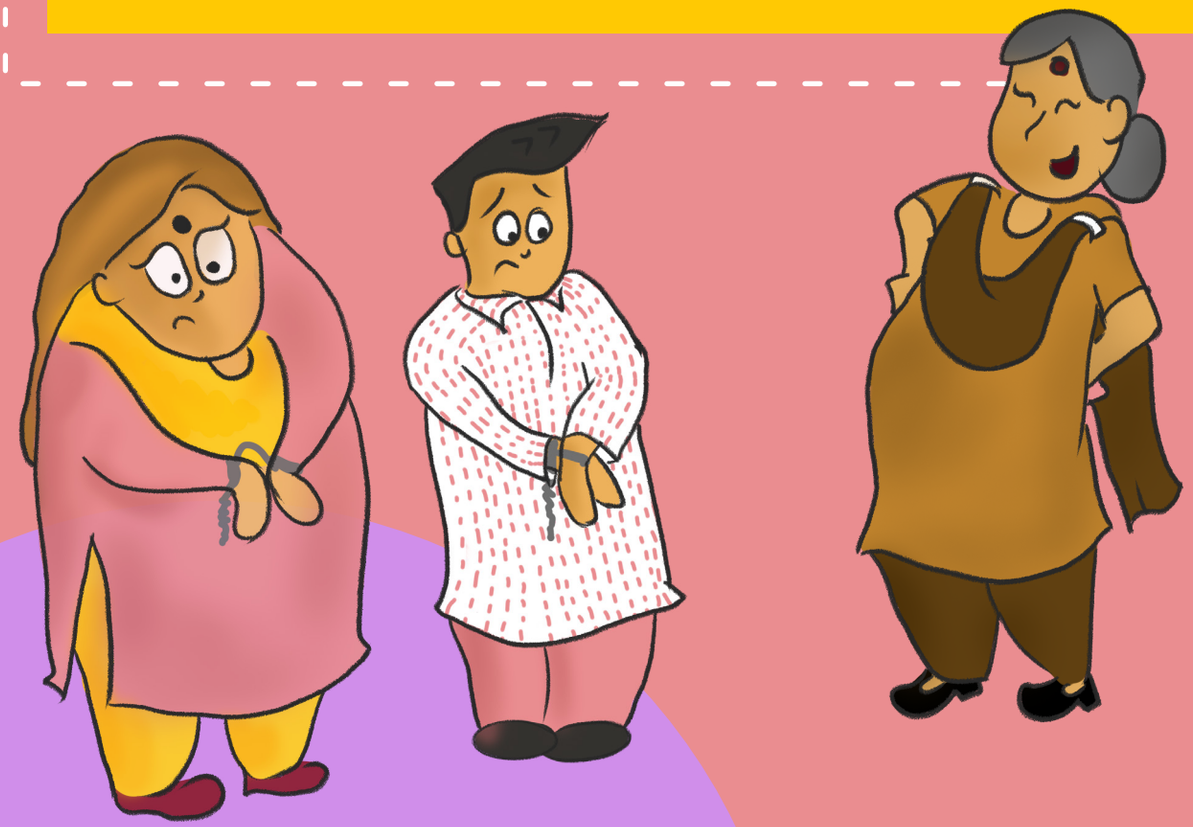

कनिका अरोड़ा एक वकील हैं जो महिलाओं और बाल अधिकारों की वकालत करती हैं।

सिमरन रावत एक डिजाइनर हैं, एक कलाकार जिन्हें बच्चों की शिक्षा के विषयों के साथ काम करने में मजा आता है।

KATHA

कथा एक पंजीकृत गैर–लाभकारी संगठन है जो 1988 में शुरू हुआ था। हम साक्षरता से लेकर साहित्य सातत्य तक में काम करते हैं। बच्चों और वयस्कों के बीच पढ़ने की खुशियों को बढ़ाने के लिए समर्पित, हम गरीबी में 1,00,000 से अधिक बच्चों के साथ काम करते हैं, उन्हें गुणवत्ता की पुस्तकों और हस्तक्षेपों के माध्यम से ग्रेड–स्तर पर पढ़ने के लिए लाते हैं।

सबसे पहले कथा, 2021 द्वारा प्रकाशित
कॉपीराइट © कथा, 2021 सर्वाधिकार सुरक्षित
ए3, सर्वोदय एन्क्लेव, श्री अरबिंदो मार्ग, नई दिल्ली 110017
फोनः 41416600 | 414166624 | 41829998
ई–मेलः marketing@katha.org
वेबसाइटः www.books.katha.org

प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी भी रूप में पुनः प्रस्तुत या उपयोग नहीं किया जा सकता है।

नई दिल्ली में छपी
आईएसबीएन 978–93–82454–97–7

गीता धर्मराजन द्वारा सभी कहानियां हैं, सिवाय जहां विशेष रूप से कहा गया है।
© गीता धर्मराजन, 2020

इस पुस्तक से बिक्री का दस प्रतिशत हिस्सा कत्था स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की गुणवत्ता की शिक्षा का समर्थन करेगा। कथा नियमित रूप से अपनी पुस्तकों के निर्माण में प्रयुक्त लकड़ी को बदलने के लिए पेड़ लगाती है।